मुळा एज्युकेशन सोसायटीचे,
आर्टस, कॉमर्स अँण्ड सायन्स कॉलेज
सोनई ता. नेवासा जि. अहमदनगर

विद्यार्थ्याचे नाव
कु. घुमाळ सुरेखा सुभाष

मार्गदर्शक
प्रा. एस. बी. चौधरी
प्रा. देशमुख

शैक्षणिक वर्ष
M.A. I Semi III (Hindi)

I

FOR EDUCATIONAL USE

Scanned by TapScanner

अनुक्रमणिका

अ.न.	तपशील	पृष्ठ क्र.
१.	मुखपृष्ठ	I
२.	अनुक्रमणिका	II
३.	प्रस्तावना	१
४.	आद्दिष्टये	३
५.	सर्वसाधारण समस्या सामान्य समस्या	४
६.	प्रत्यक्ष सादरीकरण प्रस्तुतीकरण	६
७.	प्रत्यक्ष समस्या	१३
८.	उपयोजना	१५
९.	समारोप	१६

Scanned by TapScanner

प्रस्तावना।

हिंदुस्तान एक ऐसा देश बहुभाषी देश है, जिसकी भाषा समस्या काफी उलझी हुई है। चूंकि भाषा का संबंध कई प्रकार की भावुकता, जानपादिक मोह और पूर्वाग्रहों से जुड़ा हुआ है, इसलिए बहुभाषी देशों में भाषा की समस्या प्राय: संकुल और उलझी रहती है। किन्तु मनुष्य समस्याओं का समाधान करना वाला प्राणी होने के कारण भाषा समस्या का भी कोई-न कोई समाधान अपने देश और समाज के लिए कर ही लेता है।

अभी तक हम हिन्दी को जनता की भाषा कहते आए थे लेकिन जनता का नब्बे फीसदी भाग हमारी इस हिन्दी से अपरिचित था, अब समय आ गया है कि नब्बे फीसदी जनता शिक्षित होकर अपने भाषा को पहचाने उसका रूप सँवारने में हाथ बटाए। शिक्षा का प्रसार एक ऐसी बाढ़ होगी जो हमारी भाषा और साहित्य के उद्यान पर एक बार छा जाएगी।

Scanned by TapScanner

भाषा समस्या पर भारतीय जनता का सामाजिक और सांस्कृतिक भविष्य निर्भर करता है इसलिए यह आवश्यक है कि हम अपने बहुजातीय राष्ट्र की विशेषताएँ पहचाने इस राष्ट्र में हिंदी भाषी जाति की भूमिका पहचानें। इस पुस्तक में दिए गए अकाट्य तर्क से समस्या को समझने की सही दृष्टि ही नहीं देते समस्या समाधान की दिशा में मन को आंदोलित भी करते हैं।

Scanned by TapScanner

उद्देश्ये

१) हिंदी भाषा बोलते समय माध्यमिक स्तर पर आनेवाली छात्रों की समस्या जानना।

२) भाषा बोलते समय समस्या ढूँढकर उस पर उसपर उपाय ढूँढना।

) बच्चों के भाषा बोलते समय उस उपायों का प्रयोग करना।

) हिंदी भाषा बोलते समय आने वाली समस्या दूर करना।

Scanned by TapScanner

सर्वसाधारण समस्या

सर्वसाधारण समस्या

- अंग्रेजी भाषा का अड्सर
- हिंदी भाषा की अशुद्ध शब्द
- मराठी भाषा का अड्सर

अग्रेंजी भाषा का अड्सर :-

आजकल बच्चों पर अग्रेंजी का प्रभाव ज्यादा होने के कारण बच्चों बहुत सारे अग्रेंजी शब्दों का प्रयोग कर रहे है। इसलिए अप हिंदी बोलते समय समस्या आती है।

हिंदी भाषा की अशुद्धी या शब्द मात्भूम न होना

हिंदी भाषा की सही शब्द उच्चार न मात्भूम होने के कारण बच्चों को हिंदी बोल में अड्सर आते है। और बच्चे अशुद्धा हिंदी बोल है। सभ्भोवती जो वातावरण है उसी प्रकार की हिं बोलते है। और अशुद्धी आती है।

Scanned by TapScanner

मराठी भाषा का असर :-

बच्चों की मातृभाषा मराठी होने के कारण उनपर मराठी का ही असर ज्यादा हुआ है, इसलिए हिंदी बोलते समय बच्चों के मुँह में मराठी शब्दों का उच्चार आता है।

Scanned by TapScanner

प्रत्यक्ष सादरीकरण

हिंदी बोलते समय आनेवाली समस्या जानने के लिए प्रत्यक्ष बच्चों को कुछ चित्र प्रत्यक्ष बच्चों को कुछ चित्र दिखाकर कुछ सवाल पूछकर जानकारी ली है। और इसके आधार पर समस्या जानने का प्रयत्न किया है।

माध्यमिक स्तर पर छात्रों को

छात्रों के नाम

अ.न.	छात्रोंके नाम
१.	वैष्णवी सुरेश लिपाने
२.	अर्चित सुधीर कानवडे
३.	ओम सुरेश लिपाने
४.	मृतिका सुधीर लिपाने
५.	दिक्षा प्रकाश शेटे

Scanned by TapScanner

६. गौरी अनिल चांदगुडे

७. कार्तिक प्रकाश शेटे

८. गौरी मनोज शिंदे

९. समर्थ अनिल शेटे

१०. रुद्राक्ष शिवप्रसाद जंगम

११. अवधूत प्रशांत चौधरी

१२. गायत्री भिमराज भांडे

Scanned by TapScanner

चित्रवर्णन

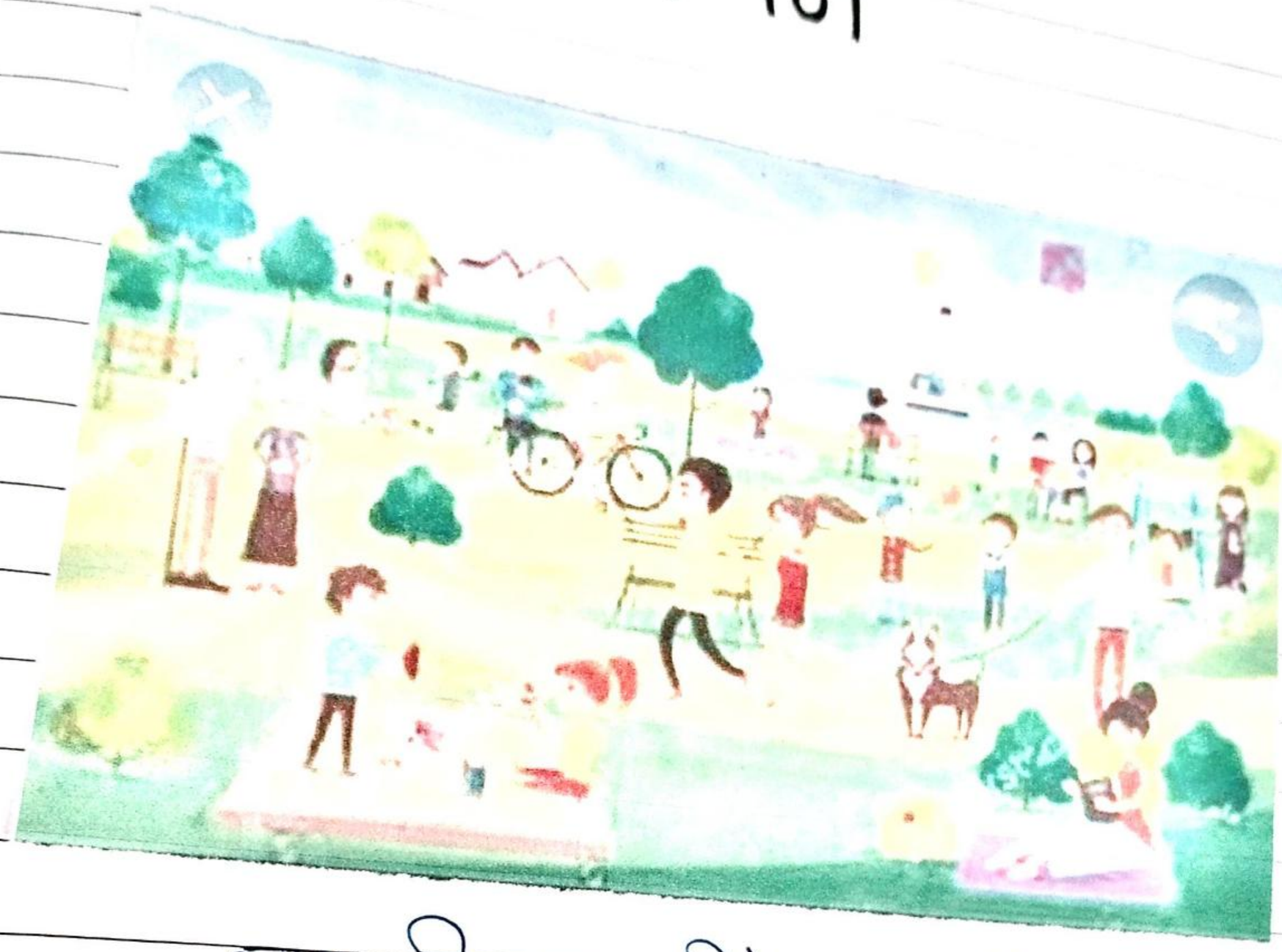

यह चित्र बगीचे का चित्र है। इसमें कुछ लोग घुमने के लिए आये है। इसमे मंदिर भी है। यह चित्र एक लड़की किताब पढ़ रही है। और एक लड़का कुत्ते को घुमने के लिए आया है। इस चित्र कुछ बच्चे सायकल खेल रहे है। और कुछ बच्चे अलग - अलग खेल रहें है।

Scanned by TapScanner

Scanned by TapScanner

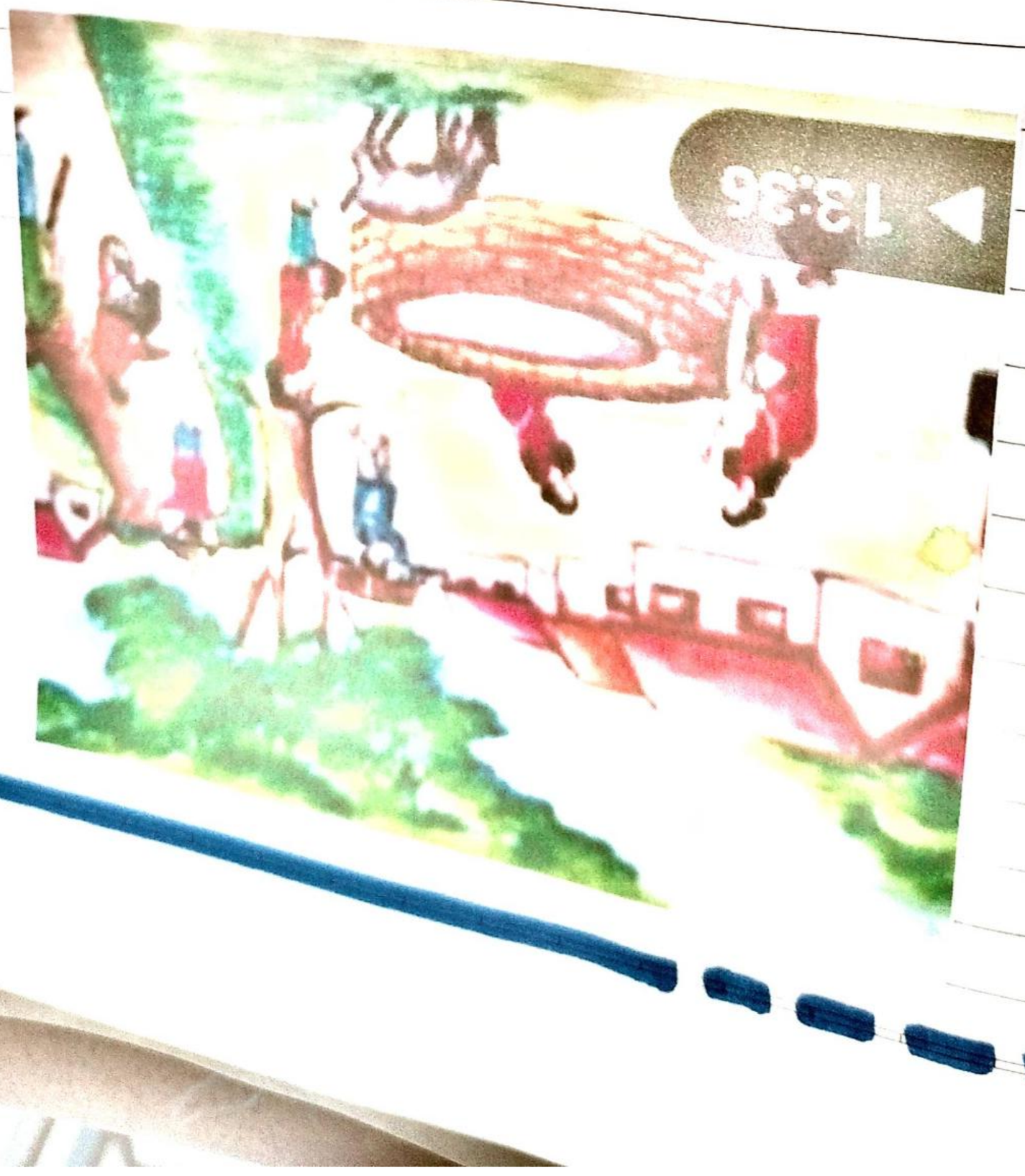

चित्रों के नाम

सूरजमुखी

कमल

Scanned by TapScanner

मापिका

दूरबीन

कंघी

कतरनी

Scanned by TapScanner

राष्ट्र ध्वज के बारे में जानकारी :-

राष्ट्रध्वज में तीन रंग होते है।
इसलिए उसे तिरंगा कहते है। पहिले केसरी,
सफेद और हरा रंग होता है। इसे १५ अगस्त
और 26 जनवरी को फहराया जाता है। उसमे
अशोक चक्र भी होता है।

Scanned by TapScanner

प्रत्यक्ष समस्या।

चित्रवर्णन :-

बच्चों को चित्रों का वर्णन करने में बहुत समस्या आती है। बच्चे मराठी भाषा बोलते हैं इसलिए उन्हें हिंदी में बोलने में कठिनाईयाँ आती है। बच्चे को चित्रों के वर्णन करते समय उन्हें शब्द के उच्चार अच्छी तरह से आते नहीं। उनको कुछ चीजों के नाम हिंदी में मालूम नहीं होते हैं। क्योंकि वह हमेशा मराठी बोलते हैं। इसलिए उन्हें हिंदी में बोलनेमें कठिनाईयाँ आती है।

इस चित्रो में लड़की किताब पढ़ रही है। इस वाक्य में बच्चों किताब शब्द बोलने बहुत कठिनाईयाँ आई। क्योंकि उन्हें बहुत से चीजों के नाम हिंदी में मालूम नहीं होते है। इसलिए उन्हें हिंदी भाषा में बोलने समस्या होती है।

चित्रवर्णन :-

इस चित्र में औरत कुँए पे पानी भर रही है। इसमें बच्चों को कुँए शब्द बोलने में कठिनाईयाँ आती है। और जैसे कुछ आदमी अपने सिरपर कुछ बोझा लेकर जा रहे हैं। ऐसे वाक्यों को वर्णन करने में कठिनाईयाँ आती है। इसलिए बच्चो को हिंदी बोलने में कठिनाईयाँ

...TIONAL USE

Scanned by TapScanner

उपाय योजना

छात्रों को हिंदी बोलने का अभ्यास करना चाहिए।

हमें हर रोज हिंदी समाचार पत्र पढ़ना या सुनने चाहिए।

हिंदी व्याकरण संबंधी जानकारी देना चाहिए

हिंदी बोलते समय मातृभाषा और अंग्रेजी भा का प्रभाव कम करना चाहिए।

हिंदी किताबे पढ़नी चाहिए।

Scanned by TapScanner

आती है।

चित्रो के नाम :-

बच्चों को चित्रों के नाम बताने में बहुत समस्या आती हैं। जैसे सूरजमुखी के फूल को वो सूर्यफूल कहते है। कमल के फूल को कमळ कहते है। इस तरह से बच्चों को फूलों के नाम बताने समस्य आती है। उसी तरह घर के क वस्तुओं के भी नाम मालूम नहीं होते। जैसे की मापिका को पट्टी बोलते है। और दुरवाणी को फोन बोलते है। उसी तरहसे कंघी को कंगवा बोलते है। और कैंची को कात्री कहते है।

इस तरह से बच्चों कौनसे भी चित्रो का वर्णन करने में इस तरह से समस्या आती हैं। चित्रों के नाम मालूम नहीं होने के कारण यह समस्या उत्पन्न होती है।

Scanned by TapScanner

समारोप

यह प्रोजेक्ट कार्य करते समय
छात्रों को सहयोग मिला। बच्चों की हिंदी बोलते
समय आनेवाली समस्या पता चली और उसप
र्य उपाय करना चाहिए। इसकी जानकारी
मिली।

इस कार्य करते समय प्राध्यापक
वर्ग इनका सहयोग मिला।

Scanned by TapScanner